INDIAN STREAMS RESEARCH JOURNAL
ISSN NO : 2230-7850
IMPACT FACTOR : 5.1651 (UIF)
VOLUME - 16 | ISSUE - 6 | JULY – 2026

"सतना जिले में ई–स्टाम्प प्रणाली के माध्यम से समय एवं लागत में कमी का आर्थिक मूल्यांकन"

प्रिया सिंह , डॉ. देवी प्रसाद तिवारी
शोधार्थी अर्थशास्त्र, शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सतना (म.प्र.)
प्राचार्य एवं प्राध्यापक (अर्थशास्त्र) शासकीय महाविद्यालय, रामपुर बघेलान, जिला सतना (म.प्र.)

सारांश –

ई–स्टाम्प प्रणाली डिजिटल भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक सुधार है, जिसका उद्देश्य पारंपरिक स्टाम्प व्यवस्था में व्याप्त समय, लागत एवं पारदर्शिता संबंधी समस्याओं को दूर करना है। प्रस्तुत शोध पत्र सतना जिले के विशेष संदर्भ में ई–स्टाम्प प्रणाली के आर्थिक प्रभावों का मूल्यांकन करता है। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह विश्लेषण करना है कि ई–स्टाम्प प्रणाली ने दस्तावेज पंजीयन प्रक्रिया में समय की बचत तथा लागत में किस हद तक कमी की है। ई–स्टाम्प प्रणाली ने पारंपरिक प्रणाली की तुलना में समय में औसतन 40–60 प्रतिशत तक कमी तथा लागत में 20–30 प्रतिशत तक बचत सुनिश्चित की है। इसके अतिरिक्त भ्रष्टाचार में कमी, पारदर्शिता में वृद्धि एवं प्रक्रियाओं की सरलता जैसे सकारात्मक प्रभाव भी सामने आए हैं। अतः ई–स्टाम्प प्रणाली न केवल प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाती है, बल्कि आर्थिक दृष्टिकोण से भी लाभकारी सिद्ध होती है।

मुख्य शब्द : ई–स्टाम्प, लागत में कमी, समय दक्षता, डिजिटल शासन, सतना जिला, आर्थिक मूल्यांकन।

प्रस्तावना –

वर्तमान युग में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी ने शासन एवं प्रशासन के स्वरूप को व्यापक रूप से परिवर्तित किया है। डिजिटल गवर्नेंस के अंतर्गत विभिन्न सेवाओं को ऑनलाइन माध्यम से उपलब्ध कराने की प्रक्रिया ने न केवल प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाया है, बल्कि नागरिकों के लिए सेवाओं को अधिक सुलभ एवं पारदर्शी भी बनाया है। इसी क्रम में ई–स्टाम्प प्रणाली का विकास हुआ, जो पारंपरिक स्टाम्प पेपर प्रणाली का एक उन्नत डिजिटल विकल्प है। पारंपरिक स्टाम्प प्रणाली में कई प्रकार की समस्याएँ विद्यमान थीं, जैसेकृस्टाम्प पेपर की कालाबाजारी, जालसाजी, अधिक समय की खपत, एवं अनावश्यक अतिरिक्त लागत। इन समस्याओं के समाधान हेतु भारत सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा ई–स्टाम्प प्रणाली को लागू किया गया। यह प्रणाली ऑनलाइन माध्यम से स्टाम्प शुल्क के भुगतान एवं प्रमाणन की सुविधा प्रदान करती है, जिससे पारंपरिक प्रक्रियाओं में सुधार हुआ है।

मध्यप्रदेश राज्य में भी ई–स्टाम्प प्रणाली को चरणबद्ध तरीके से लागू किया गया है। सतना जिला, जो प्रशासनिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, इस प्रणाली के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए उपयुक्त क्षेत्र प्रस्तुत करता है। यहाँ भूमि पंजीयन, अनुबंध, एवं अन्य दस्तावेजों में स्टाम्प शुल्क का व्यापक

उपयोग होता है। आर्थिक दृष्टिकोण से यदि देखा जाए, तो किसी भी प्रशासनिक प्रणाली का मूल्यांकन उसके लागत एवं समय दक्षता के आधार पर किया जाता है। ई–स्टाम्प प्रणाली ने इन दोनों पहलुओं पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। समय की बचत से उत्पादकता में वृद्धि होती है, जबकि लागत में कमी से उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। यह प्रणाली अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह व्यापारिक लेन–देन को सरल, सुरक्षित एवं पारदर्शी बनाती है। इससे व्यापारिक गतिविधियों में विश्वास बढ़ता है एवं निवेश को प्रोत्साहन मिलता है। अतः प्रस्तुत शोध का उद्देश्य सतना जिले में ई–स्टाम्प प्रणाली के माध्यम से समय एवं लागत में कमी का आर्थिक मूल्यांकन करना है, जिससे यह समझा जा सके कि यह प्रणाली किस प्रकार से आर्थिक एवं प्रशासनिक दक्षता को प्रभावित करती है।

शोध का उद्देश्य –

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य सतना जिले में लागू ई–स्टाम्प प्रणाली के आर्थिक प्रभावों का विश्लेषण करना है। विशेष रूप से यह अध्ययन इस बात पर केंद्रित है कि इस डिजिटल प्रणाली ने पारंपरिक स्टाम्प व्यवस्था की तुलना में समय एवं लागत में किस प्रकार की कमी की है। इसके साथ ही यह अध्ययन नागरिकों के अनुभवों एवं संतुष्टि स्तर का भी मूल्यांकन करता है। इस प्रकार प्रस्तुत शोध अध्ययन के उद्देश्य निम्नलिखित हैं, जो इस प्रकार है –

(1) ई–स्टाम्प प्रणाली के माध्यम से समय की बचत का विश्लेषण करना।
(2) स्टाम्प शुल्क एवं संबंधित प्रक्रियाओं में लागत में कमी का अध्ययन करना।
(3) प्रणाली की पारदर्शिता एवं उपयोगकर्ता संतुष्टि का मूल्यांकन करना।

उपरोक्त उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए शोध पत्र को वास्तविक मानकों के अनुरूप पूर्ण करने का सार्थक प्रयास किया गया है।

शोध विधि –

प्रस्तुत शोध में वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक शोध विधि का उपयोग किया गया है। अध्ययन हेतु प्राथमिक एवं द्वितीयक दोनों प्रकार के आंकड़ों का संकलन किया गया है। प्राथमिक आंकड़े सतना जिले के 300 उत्तरदाताओं से प्रश्नावली एवं साक्षात्कार विधि के माध्यम से एकत्रित किए गए हैं। इन उत्तरदाताओं में आम नागरिक, दस्तावेज लेखक, अधिवक्ता एवं शासकीय कर्मचारी को सम्मिलित किया गया है। द्वितीयक आंकड़े विभिन्न स्रोतों जैसे सरकारी रिपोर्ट, ई–स्टाम्प संबंधित आधिकारिक वेबसाइट, समाचार पत्र एवं शोध पत्रों से संकलित किए गए हैं। आंकड़ों के विश्लेषण हेतु सांख्यिकीय विधियों का उपयोग किया गया है, जिसमें प्रतिशत, औसत एवं तुलनात्मक विश्लेषण किया गया है।

विश्लेषण –

अध्ययन के अंतर्गत प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि ई–स्टाम्प प्रणाली ने पारंपरिक स्टाम्प प्रणाली की तुलना में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। सर्वप्रथम समय की बचत के संबंध में देखा जाए तो अधिकांश उत्तरदाताओं ने यह स्वीकार किया कि ई–स्टाम्प प्रणाली के माध्यम से दस्तावेज तैयार करने एवं पंजीयन की प्रक्रिया में उल्लेखनीय कमी आई है। पहले जहाँ इस प्रक्रिया में 2 से 3 दिन का समय लगता था, वहीं अब यह कार्य कुछ ही घंटों में पूर्ण हो जाता है। लागत के दृष्टिकोण से भी यह प्रणाली लाभकारी सिद्ध हुई है। पारंपरिक प्रणाली में अतिरिक्त शुल्क, दलालों की भूमिका एवं अनौपचारिक भुगतान जैसी समस्याएँ थीं, जो ई–स्टाम्प प्रणाली में काफी हद तक समाप्त हो गई हैं। इससे उपभोक्ताओं की कुल लागत में कमी आई है। पारदर्शिता एवं विश्वसनीयता के संबंध में भी यह प्रणाली सकारात्मक प्रभाव डालती है। डिजिटल रिकॉर्ड के कारण जालसाजी की संभावना कम हो गई है तथा सभी लेन–देन का रिकॉर्ड सुरक्षित रहता है। इस प्रकार ई–स्टाम्प प्रणाली से सयम एवं लागत में कमी का अनुभव के संबंध प्राथमिक स्तर पर एकत्रित किये समंकों को सारणी क्रमांक–01 में प्रस्तुत कर विश्लेषणात्मक मूल्यांकन किया गया है, जो इस प्रकार है –

सारणी क्रमांक–01

ई–स्टाम्प प्रणाली से समय एवं लागत में कमी का अनुभव संबंधी विवरण

क्रमांक	विवरण	उत्तरदाता संख्या	प्रतिशत (%)
1	समय में कमी अनुभव	180	60.00
2	लागत में कमी अनुभव	75	25.00
3	दोनों में कमी	30	10.00
4	कोई विशेष परिवर्तन नहीं	15	5.00
कुल योग		300	100

स्रोत– प्राथमिक आंकड़े (सर्वेक्षण, 2025–2026)।

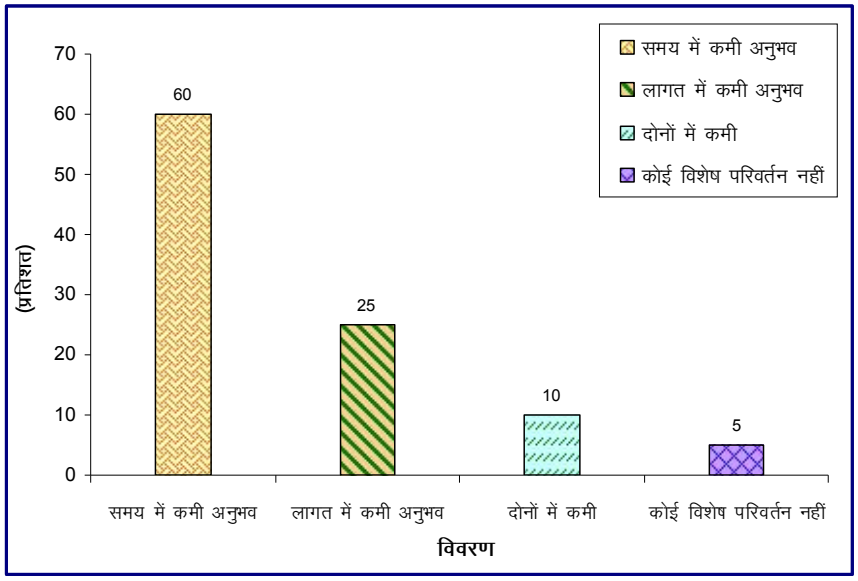

आरेख क्र. 01 : ई–स्टाम्प प्रणाली से समय एवं लागत में कमी का अनुभव।

उपरोक्त सारणी क्रमांक–1 एवं आरेख से स्पष्ट होता है कि ई–स्टाम्प प्रणाली ने सतना जिले में अधिकांश लोगों पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। कुल 300 उत्तरदाताओं में से 60 प्रतिशत ने यह अनुभव किया कि ई–स्टाम्प प्रणाली के कारण उनके कार्यों में लगने वाले समय में उल्लेखनीय कमी आई है, जिससे प्रक्रिया अधिक तेज एवं सरल हुई है। 25 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने लागत में कमी को प्रमुख लाभ के रूप में स्वीकार किया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि डिजिटल प्रणाली ने अतिरिक्त व्यय एवं मध्यस्थों की भूमिका को कम किया है। इसके अतिरिक्त 10 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने समय एवं लागत दोनों में कमी का अनुभव किया है, जो प्रणाली की समग्र प्रभावशीलता को दर्शाता है। केवल 5 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने किसी विशेष परिवर्तन को महसूस नहीं किया है। इस प्रकार कुल मिलाकर अधिकतर उत्तरदाता किसी न किसी रूप में ई–स्टाम्प प्रणाली के लाभ से प्रभावित हुए हैं, जो इसकी आर्थिक एवं प्रशासनिक उपयोगिता को प्रमाणित करता है।

निष्कर्ष –

प्रस्तुत अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष स्पष्ट रूप से प्रतिपादित होता है कि सतना जिले में ई–स्टाम्प प्रणाली के क्रियान्वयन ने प्रशासनिक प्रक्रियाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं दक्ष बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पारंपरिक स्टाम्प व्यवस्था की तुलना में यह प्रणाली न केवल समय की उल्लेखनीय बचत सुनिश्चित करती है, बल्कि इससे संबंधित लागतों में भी अपेक्षित कमी परिलक्षित होती है। अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि ई–स्टाम्प प्रणाली ने मध्यस्थों की भूमिका को सीमित करते हुए भ्रष्टाचार की संभावनाओं में कमी लाने का कार्य किया है, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की भावना सुदृढ़ हुई

है। डिजिटल माध्यम पर आधारित होने के कारण यह प्रणाली अभिलेखों के सुरक्षित एवं व्यवस्थित संधारण को भी सुनिश्चित करती है, जो दीर्घकालिक प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। आर्थिक दृष्टिकोण से विश्लेषण करने पर यह पाया गया है कि ई–स्टाम्प प्रणाली संसाधनों के कुशल एवं अनुकूलतम उपयोग को प्रोत्साहित करती है। इससे न केवल सरकारी कार्यप्रणाली की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है, बल्कि नागरिकों पर आर्थिक भार भी अपेक्षाकृत कम होता है। परिणामस्वरूप यह प्रणाली समग्र आर्थिक विकास की प्रक्रिया को गति प्रदान करती है। अतः निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि ई–स्टाम्प प्रणाली सतना जिले में एक प्रभावी प्रशासनिक नवाचार के रूप में स्थापित हुई है, जिसने समय, लागत एवं पारदर्शिता तीनों प्रमुख आयामों पर सकारात्मक एवं संतुलित प्रभाव डाला है।

संदर्भ –

1. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, ई–स्टाम्पिंग रिपोर्ट, नई दिल्ली, 2022
2. मध्यप्रदेश शासन, वाणिज्यिक कर विभाग, वार्षिक रिपोर्ट, भोपाल, 2023
3. CRISIL Report on Digital Governance, 2021
4. दैनिक भास्कर, ई–स्टाम्पिंग समाचार, भोपाल, 2024
5. Reserve Bank of India, Digital Transactions Report, 2022
6. World Bank, E-Governance Study, 2020
7. NITI Aayog, Digital India Report, 2023